॥ श्री ॥

॥ श्रीजानकीरमणाय नमः ॥

श्रीमद्गोस्वामी तुलसीदासजी कृत-

विनयपत्रिका।



चित्रगुप्तवंशज श्रीरामचरणानुरागी दासानुदास दीन
गयाप्रसादजी मास्टर पाठशाला खुरई जन्मभूमि
पढरपुर रहली जिला सागर कृत-

भाषाटीका सहित।



यह पुस्तक

श्रीरामोपासकोंके अवलोकनार्थ-

खेमराज श्रीकृष्णदासने

बम्बई

निज "श्रीवेङ्कटेश्वर" स्टीम्-मुद्रणयन्त्रालयमें
मुद्रितकर प्रसिद्ध किया।

संवत् १९६६, शके १८३१